कार्यकारी सारांश

प्रस्तावित सोपस्टोन खनन परियोजना

1. परियोजना और प्रस्तावक का परिचिय

प्रस्तावक: मेसर्स डी.के.डी माइंस

परियोजना स्थल : ग्राम – भाटनीकोट तहसील - बागेश्वर जिला-बागेश्वर,राज्य-उत्तराखण्ड

खनिज : सोपस्टोन खनन परियोजना

कुल क्षेत्र फल: 5.657 हेक्टेयर

सालाना प्रस्तावित उत्पादन: 23010 घनमीटर (प्रस्तावित अधिकतम उत्पादन)

आवेदक ने ई0आई0ऐ अधिसूचना, 2006 के तहत पर्यावरण स्वीकृति के लिए आवेदन कियाहै। पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार की ई आई ऐ अधिसूचना, दिनांक14 सितम्बर 2006 , के तहत "श्रेणी बी1" मेंआती है। ड्राफ्ट ई आई ऐ / ई ऍमपी 22.02.2023 को निर्देशित टी ओ आर तथा ई आई ऐ अधिसूचना के आधार पर तैयार की गई है। इस खदान के द्वारा पर्यावरण में होने वाले प्रभाव का आंकलन करने के लिए वर्तमान स्थिति में पर्यावरण पर खनन के द्वारा पड़ने वाले प्रभाव का जायजा लेना आवयशक है।

2. परियोजना का संक्षिप्त विवरण

क्रमांक		विवरण
1	परियोजना का नाम	**प्रस्तावित सोपस्टोन खनन परियोजना**
2	परियोजना का स्थान	ग्राम – भाटनीकोट तहसील - बागेश्वर जिला-बागेश्वर,राज्य-उत्तराखण्ड
3	परियोजना प्रस्तावक	मेसर्स डी.के.डी माइंस
4	कुल लीज क्षेत्र	5.657 हेक्टेयर
5	खनन की विधि	ओपन कास्ट मेकेनाइज्ड / सेमि – मेकेनाइज्ड
6	प्रस्तावित उत्पादन:	23010 घनमीटर (प्रस्तावित अधिकतम उत्पादन)
7	मैनपावर की आवश्यकता	42 व्यक्ति
9	वित्तीय और सामाजिक लाभ	यह परियोजना स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करेगी, जिससे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

प्रस्तावित सोपस्टोन खनन परियोजना

10	प्रस्तावित सीईआर लागत	2,25,000/-
11	ईएमपी व्यय	7,80,000/-पूंजी लागत (वृक्षारोपण के लिए और बायोगैस संयंत्र) 6,40,000/-(**पुनरावर्ती लागत / वर्ष)**

3. परियोजना की मूल आवयश्कताएँ

पानी की आवश्यकता	**मात्रा(KLD)**
पीने के पानी और शौचालय के लिए सम्बंधित	0.84
धूल का दमन सम्बंधित	1.0
वृक्षारोपण	5.8
संपूर्ण	7.64

4. खनन टेकनीक का विवरण

यह एक ओपन कास्ट मेकेनाइज्ड / सेमि – मेकेनाइज्ड परियोजना है एवं ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग की आवयशकता नहीं होगी।

प्रस्तावित उत्पादन विवरण

वर्ष	**सोपस्टोन** (घनमीटर)
1	16377
2	18065
3	20717
4	21279
5	23010
Total	**80802**

प्रस्तावित सोपस्टोन खनन परियोजना

5. स्थल सुविधाएं और उपयोग

जल आपूर्ति

श्रमिकों को पीने और घरेलु उपयोग के लिए पानी उपलब्ध कराया जाएगा। धुल दम हेतु भी जल की आवयशकता होगी।

पर्यावरणी स्तिथि

पर्यावरण गुणवत्ता का जांच परिक्षण 1 **दिसंबर** 2022 से 28 **फरवरी** 2023 के दौरान 10 किलोमीटर की त्रिज्या में किया गया है।

बेसलाइन आंकड़े

प्रस्तु खनन के प्रति वायु, ध्वनि, जल, मृदा, परिस्थिति की और जैवविविधता के पर्यावरणीय आंकड़ों का संग्रहकर लिया गयाहै

	आधारिक स्थिति
वाय ुगुणवत्ता	प्राप्त परिणामों से संकेत मिलता है कि परिवेशी वायु में PM10, PM2.5, SO2 और NO2 कीसांद्रताऔद्योगिक, आवासीय, ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए नेशनल एंबिएन्ट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स (NAAQ) मानकों के भीतर हैं
शोर गुणवत्ता	**शोर** का अध्ययन 5 स्थानों पर किया गया। इस अध्ययन के परिणाम दिनऔर रात दोनों समय में **शोर** के स्तर सभी स्थाना ेंपर निर्धारित सीमा में थे।
जल गुणवत्ता	सभीस्रातों से भूमिगत जल पेय प्रयोजन के लिए उपयुक्तहै, क्योंकिसभीअवयवभारतीय मानक आईएसः10500 के मानदण्डों के अनुसार निर्धारितसीमा से कम पाये गये। सतही जल के **विश्लेषण** से ज्ञात होता है कि नमूनों के **अधिकांश** मानक सीपीसीबी के 'श्रेणी बी' मानकों के अनुसारउपयुक्तहैं, यह इंगित करता ह ैकि ये स्नान इत्यादि के लिए उपयुक्त हैं।
मृदागुणवत्ता	चिह्नित स्थलों से लिए गए नमूनों से पता चलता है कि मिट्टी बलु अई है और इसका **पीएच स्तर** 7.19 से 7.49 के बीचहै।

6.पर्यावरण योजना(ई0म0पी)

खदान क्षेत्र किसी भी निवास स्थान को कवर नहीं करता है।इसलिए खनन गतिविधि में मानव निपटा न का कोई विस्थापन शामिल नहीं है। कोई भी सार्वजनिक भवन,स्थान,स्मारक आदि पट्टे क्षेत्र के आसपास मौजूद नहीं हैं ।खनन कार्य किसी भी गांव को परेशान नहीं करेगा और न ही पुनर्वास करेगा।इस प्रकार कोई प्रतिकूल प्रभाव अनुमानित नहीं है ।क्षेत्र में खनन गतिविधि का प्रभाव क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक वातावरण पर सकारात्मक है। प्रस्तावित खदान स्थानीय आबादी को रोजगार प्रदान करेगी और यह मैन पावर की आवश्यकता होने पर स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देगी।

- स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावोंको कम करने के लिए प्रभाव क्षेत्र में श्रमिकों और आसपास के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाए ंमुहैय कराइ ंजाएंगी।
- वन्य जीव संरक्षण निश्चित की जाएगी और इसके लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।
- ढुलाई और निकास मार्ग के रखरखाव के चलत ेपरिवहन पर पड़न ेवाले भार पर नियंत्रण रखा जाएगा।
- संभावित आपदाओं से बचने के लिए समय पर एहतियाती उपाय अपनाने हेतु प्रभावशाली आपदा प्रबंधन योजना का क्रियान्वयन।
- पर्यावरण प्रबंधन प्रकोष्ठ द्वारा प्रभावशाली निगरानी कार्यक्रम का क्रियान्वयन।

प्रस्तावित सोपस्टोन खनन परियोजना

7 खनन के लाभ

भौतिक लाभ

प्रस्तावित परियोजना के प्रारंभ होने से आसपास के निम्नलिखित क्षेत्रो ंमे ंभौतिक बुनियादी ढांचे को बढावा मिलेगा।
क.सड़क परिवहन या सड़कों संपर्क में वृद्धि
ख.खनिज से अच्छे बाज़ारी अवसर मिलेंगे।
ग. हरियाली ध्वृक्षारोपण को बढावा
घ.समुदायिक परिसंपत्तियों का सृजन (बुनियादी ढांचे)

सामाजिक लाभ

क)रोजगार में वृद्धि
ख)राजकोश में अंशदेन (खनिज कि बिक्री से राजस्व प्राप्त होगा)
ग) स्वास्थ्य संबंधि गतिविधिया को बढावा

घ) **पर्यावरण लाभ**
क)वैज्ञानिक खनन से पर्यावरण दुष्प्रभाव में कमी
ख)अवैध खनन पर रोक

8 पर्यावरण प्रबंधन योजना

पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी)	पूंजी लागत (Rs.)	पुनरावर्ती लागत / वर्ष
ढुलाई सड़क की मरम्मत और रखरखाव	-	50,000
धूल नियंत्रण के लिए हॉलेज रोड पर पानी का छिड़काव	-	2,40,000
हवा निगरानी जल निगरानी शोर निगरानी मृदा निगरानी	-	1,00,000
वृक्षारोपण और वृक्षारोपण के बाद देखभाल (3000x500=15,00,000)	5,80,000	2,00,000
सीईआर	2,25,000	-
बायोगैस संयंत्र	2,00,000	50,000
Total	10,05,000	6,40,000

प्रस्तावित सोपस्टोन खनन परियोजना

9 कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

परियोजना लागत की पूंजीगत लागत का 2% कॉर्पोरेट पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के लिए आवंटित किया जाएगा। लोगों की जरूरतों औ मांग को देखते हुए प्रस्तावित आवंटन शिक्षा, सामाजिक उत्थान, पर्यावरण बचाव,स्वास्थ्य इत्यादि को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

क्रमसंख्या.	क्रियाएँ	फंड का आवंटन (Rs. लाख)
1	धार्मिक स्थलों का रखरखाव	50,000
2	सोलर लैम्प्स वितरण	25,000
3	सोलर स्ट्रीट लाइट लगाना	50,000
4	*स्कूल में कंप्यूटर उपलब्ध कराना*	1,00,000
	संपूर्ण	2,25,000

10. निष्कर्ष

• खनन कार्य MoEF & CC कीअनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करेगा;
• सामुदायिक प्रभाव फायदेमंद होंगे, क्योंकि परियोजना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ उत्पन्न करेगी;
•खनन गतिविधियों के दौरान पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) के प्रभावी कार्यान्वयन के साथ, प्रस्तावित परियोजना पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव डाले बिना आगे बढ़ सकतीहै।

****